>

Title: Introduction of the Incest Offences Bill, 2012.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि अगम्यागमन से संबंधित अपराधों के लिए दंड और उससे संसक्त या उसके आनुषÂंगिक विÂषयों का उपबंध करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए।

सभापति महोदय : प्रश्न यह है :

> "कि अगम्यागमन से संबंधित अपराधों के लिए दंड और उससे संसक्त या उसके आनुषÂंगिक विÂषयों का उपबंध करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण : महोदय, मैं विधेयक पुरस्थापित करता हूं।